सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 267 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 4 नवम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

यह मनुष्य का स्वभाव है कि जब वह दूसरों के दोष देखकर हंसता है, तब उसे अपने दोष याद नहीं आते जिनका न आदि है न अंत।

-कबीर दास

जिद...सच की

विश्कप से बाहर हो गए हार्दिक... 7 | साम-दाम सब आजमा रहे हैं, बस... 3 | बिहार के नक्शेकदम पर जगन मोहन... 2

हार के डर से बौखलाई भाजपा विपक्ष को कर रही बदनाम

बघेल पर आरोप व ईडी की छापेमारी से पूरे देश में सियासत गरमाई

» कांग्रेस बीजेपी पर कर रही चौतरफा वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पूरे देश में विपक्षी नेताओं के ठिकानों पर चुन-चुनकर कर छापे डाल रही। इसी क्रम में उसका कारवां छत्तीसगढ़ पहुंचा है। उसने वहां के सीएम भूपेश बघेल पर महादेव बेटिंग ऐप से अरबों रुपये लेन का आरोप लगाया है। इसके बाद सियासी घमासान मच गया। कांग्रेस और बीजेपी के नेता एक-दूसरे पर शब्दों का तीर छोड़ने लगे हैं।

जहां कांग्रेस ने इसे बीजेपी की चाल बताते हुए कहा है कि वह बघेल सरकार की छवि धूमिल कर रही है। दरअसल, छत्तीसगढ़ समेत देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। छत्तीसगढ़ में भी सियासी बिसात बिछ चुकी है, जानकारों के अनुसार इस राज्य में ऐसी आशा व्यक्त की जा रही है कि कांग्रेस की बघेल सरकार की वापसी हो रही है इसी से तिलमिलाई भाजपा ईडी के सहारे सत्ता पर कब्जा जमाना चाहती है।

जांच एजेंसियों के बल पर चुनाव जीतना चाहती है बीजेपी : बघेल

ईडी के आरोपों के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मैं पहले ही कह चुका हूं कि बीजेपी ईडी, आईटी, डीआरआई और सीबीआई जैसी एजेंसियों के सहारे राज्य में चुनाव लड़ना चाहती है। चुनाव से ठीक पहले ईडी ने मेरी छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि महादेव ऐप की जांच के जरिए ईडी ने मेरे करीबी लोगों को बदनाम किया है, उनके यहां छापे मारे गए. अब मुझ पर 508 करोड़ रुपये लेने का आरोप लगाया गया है। बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, दोनों मिलकर भी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए वे जांच एजेंसियों के सहारे चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार (4 नवंबर) को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भूपेश बघेल पर लगे आरोपों को लेकर बात की। जयराम रमेश ने कहा कि बीजेपी की आने वाले चुनाव में हार निश्चित है। पीएम और उनकी पार्टी ने ईडी और सीबीआई का दुरूपयोग करना शुरू कर दिया है।

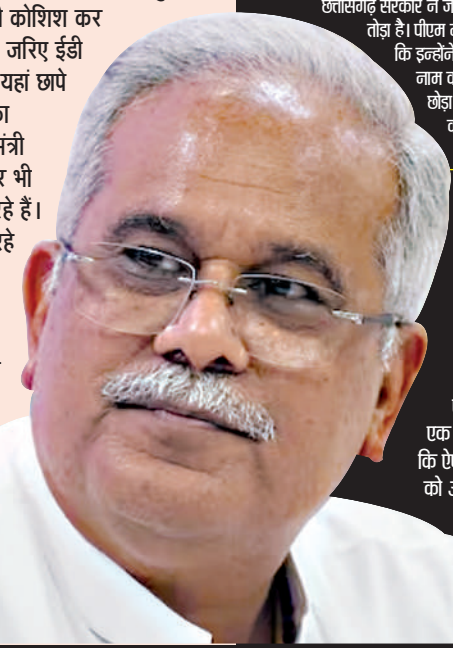

पैसा पकड़े जाने के बाद तिलमिलाए सीएम : मोदी

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अब अंतिम दौर में चल रहा है। प्रचार थमने से पहले राजनीतिक दल धुआंधार प्रचार में जुटे हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुर्ग पहुंचे। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि दो दिन पहले बहुत बड़ी रेड पड़ी है। कांग्रेस के नेता लूट के पैसे से अपना घर भर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने जनता का भरोसा तोड़ा है। पीएम मोदी ने कहा कि इन्होंने तो महादेव के नाम को भी नहीं छोड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि दो हजार करोड़

रुपये का शराब घोटाला, 500 करोड़ रुपये का सीमेंट घोटाला, पांच हजार करोड़ रुपये का चावल घोटाला, 1,300 करोड़ रुपये का गौठान घोटाला, 700 करोड़ रुपये का ष्टस्स्न घोटाला। छत्तीसगढ़ को लूटने का कांग्रेस ने कोई भी मौका नहीं छोड़ा है। लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद ऐसे घोटालों की सख्ती से जांच की जाएगी, आपका पैसा लूटने वालों को जेल भेजा जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि जिन्होंने छत्तीसगढ़ के गरीब को लूटा है, उस पर कार्रवाई होकर रहेगी। उससे पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी को तो ये कांग्रेसी दिन-रात गालियां देते हैं। लेकिन यहां के मुख्यमंत्री अब देश के सुरक्षा बलों और जांच एजेंसियों को भी गाली देने लगे हैं। मैं छत्तीसगढ़ के अपने भाइयों-बहनों से कहूंगा कि ये मोदी है, गालियों से डरता नहीं है। भ्रष्टाचारियों का हिसाब करने के लिए ही तो आपने मोदी को दिल्ली भेजा है।

ईडी ने कहा- फॉरेंसिक एनालिसिस में खुलासा

प्रवर्तन निदेशालय महादेव बेटिंग ऐप के मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। ईडी ने दावा किया कि इस मामले में फॉरेंसिक एनालिसिस और पैसे का लेन-देन करने वाले एक व्यक्ति ने बयान दर्ज करवाया। उसने बताया कि ऐप के प्रमोटर्स के जरिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब तक 508 करोड़ रुपये दिए गए हैं। ईडी ने आगे कहा कि इस मामले की जांच होनी चाहिए। ईडी ने गुरुवार को ही छत्तीसगढ़ में छापेमारी की और इस मामले में जांच के दायरे को आगे बढ़ाया।

भाजपा लगा रही झूठे आरोप : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा है और यह बदले की राजनीति है। जयराम ने कहा कि भूपेश बघेल पर झूठे आरोप केवल इसलिए लगाए जा रहे हैं, क्योंकि भाजपा चुनाव हार रही है। दरअसल केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा था कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ में हवाला ऑपरेटरों का इस्तेमाल कर चुनाव लड़ रही है।

सबूत पेश करें मंत्री : टीएस

उधर छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव ने कहा कि अगर स्मृति ईरानी के पास कोई जानकारी या सबूत है तो वह इसे सबके सामने क्यों नहीं पेश कर रही हैं? उनके पास जानकारी है, लेकिन वह इसे सामने नहीं ला रही है, क्या वह भी इसमें एक पक्ष है?

आधी रात को डोली धरती, 140 से ज्यादा की मौत

» नेपाल में भूकंप से मची तबाही, राहत और बचाव कार्य जारी, उत्तर भारत में भी दिखा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेपाल में आए भूकंप में अभी तक कुल 140 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। शुक्रवार देर रात आए इस भूकंप की तीव्रता 6.4 आंकी गई है। भूकंप से नेपाल के जजरकोट में कई घर जमींदोज और क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं दिल्ली-एनसीआर, यूपी, बिहार, झारखंड व प.बंगाल में भी भूकंप के झटके महसूस हुए।

भूकंप के बाद कई ऐसे वीडियो

सामने आए हैं जिनमें कई बहुमंजिला इमारतों के टूटे हुए हिस्से और उनके अंदर रखे फर्नीचर के बड़े टुकड़े बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर भूकंप के बाद मची तबाही को लेकर कई फोटो भी वायरल हो रहे हैं। इन फोटो में दिख रहा है कि किस तरह से लोग अपनों को मलबे से निकालने की कोशिश में जुटे हैं। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव का कार्य कर रहे पुलिस अधिकारी ने कहा, कि घर ढह गए हैं. लोग अपने घरों से बाहर निकल आए. मैं डरे हुए निवासियों की भीड़ में शामिल हूं, हम नुकसान का विवरण जानने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि बचाव अभियान जारी है।

पहाड़ी जिले जाजरकोट में जनजीवन प्रभावित

अधिकारियों को 190,000 की आबादी वाले पहाड़ी जिले जाजरकोट और सुदूर पहाड़ियों में फैले गांवों के साथ संपर्क स्थापित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। करनाली प्रांत के पुलिस प्रवक्ता ने एएफपी को बताया कि जिलों के दूर होने के कारण जानकारी प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। कुछ सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण अवरुद्ध हो गई हैं, लेकिन हम वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से प्रभावित इलाके तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

लोगों से मिले नेपाली पीएम प्रचंड, सेना तैनात

नेपाल में सभी हेली-ऑपरेटरों को तैयार रहने के लिए कहा गया है। और प्रभावित क्षेत्रों से घायलों को एयरलिफ्ट करने की सुविधा के लिए नियमित उड़ान आवाजाही निलंबित कर दी गई है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल ने भूकंप से हुई मानवीय और शारीरिक क्षति पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने शनिवार को लोगों से मुलाकात की। नेपाल भूवैज्ञानिक रूप से सक्रिय क्षेत्र में बसा है, जहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें टकराती हैं, जिससे हिमालय बनता है और भूकंप अक्सर आते रहते हैं।

कांग्रेस है धोखेबाज पार्टी : अखिलेश यादव

» बोले-उसमें और बीजेपी में कोई बुनियादी फर्क नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा की सोच में कोई बुनियादी फर्क नहीं है। सिद्धांतों और कार्यक्रमों के लिहाज से दोनों एक हैं। जो लोग कांग्रेस में थे, वे भाजपा में आ गए। वहीं, जो भाजपा में थे, वे अब कांग्रेस में दिख रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को धोखेबाज करार दिया। यह बात उन्होंने मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान कही।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को सीपीआई के कार्यक्रम में कहा था कि कांग्रेस को इंडिया गठबंधन की बिल्कुल भी चिंता नहीं है। अब मध्य प्रदेश में अखिलेश यादव के कांग्रेस के खिलाफ इस बयान को अहम माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर कांग्रेस ने पहले ही धोखा दे दिया। अगर बाद में धोखा देती तो समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में चुनाव ही नहीं लड़ पाती।

अखिलेश ने कहा कि एमपी में पिछले विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद अगर समाजवादियों ने पहले समर्थन न दिया होता तो कांग्रेस की सरकार नहीं बनती। सपा विधायक के समर्थन देने पर ही राज्यपाल ने कमलनाथ को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनके नाम में ही कमल है, उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है।

अखिलेश को नकार चुकी है जनता: गिरीश चंद्र यादव

अमेठी। जिले के प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने शुक्रवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोला। कहा कि अखिलेश यादव को जनता पूरी तरह से नकार चुकी है। वह मीडिया में बने रहने के लिए सिर्फ बयानबाजी कर रहे हैं। उनके पास कुछ बचा ही नहीं है। कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्ष 2012 में जब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने थे, उस वक्त वह वरासत और विरासत के आधार पर सत्ता में आए थे। जनता का जनादेश उन्हें मिला ही नहीं। कहा कि बात अगर अखिलेश यादव के बयान की हो तो वह हास्यास्पद है। आरोप लगाया कि कभी वह ईवीएम पर सवाल उठाते हैं तो कभी किसी पर। हर विषय पर नकारात्मक बयान देते हैं। कहा कि उनका बयान उनकी हताशा का प्रतीक है। उन्होंने सपा मुखिया पर कई सवाल उठाते हुए दावा किया 2024 में एक बार फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

मप्र में सपा कर रही है नुकसान : कांग्रेस

कांग्रेस के प्रवक्ता अंशु दीक्षित ने कहा कि कांग्रेस में हमेशा बड़ा दिल दिखाया है। मऊ उप चुनाव में बिना समर्थन मांगे पार्टी ने समर्थन पत्र जारी किया और हर कार्यकर्ता मैदान में डटकर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को जिताया लेकिन समाजवादी पार्टी ने उत्तराखंड में उम्मीदवार उतार कर कांग्रेस प्रत्याशी को हराने का काम किया। मध्य प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी का कोई जन आधार नहीं है वहां उम्मीदवार उतार कर भाजपा की मदद कर रही है और कांग्रेस उम्मीदवार का विरोध कर रही है। सपा के नेता यह स्पष्ट करें कि वह किसके साथ खड़े हैं?

गठबंधन धर्म नहीं निभा रही कांग्रेस : चौधरी

अब प्रदेश में सपा के राष्ट्रीय महासचिव रवि प्रकाश वर्मा के कांग्रेस में शामिल होने की बात को लेकर आइएनडीआइए की दरार और चौड़ी हो सकती है। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि इंडिया का घटक दल होने के नाते कांग्रेस को भाजपा के लोगों को अपने में शामिल कराना चाहिए, पर वह सपा के लोगों को ले रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गठबंधन धर्म नहीं निभा रही है। प्रदेश में कांग्रेस, सपा के बगैर कुछ नहीं कर पाएगी। प्रदेश में भाजपा को केवल सपा ही हरा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि रवि प्रकाश वर्मा के पार्टी छोड़ने का कोई असर नहीं होगा। उन्हें सपा ने टिकट दिया किंतु चुनाव हार गए। इसके बाद पार्टी ने उनका सम्मान करते हुए राज्य सभा सदस्य बनाया। वर्ष 2019 के चुनाव में सपा ने उनकी बेटी पूर्वी वर्मा को टिकट दिया किंतु वह भी चुनाव हार गईं। सपा का पीडीए पूरी तरह से मजबूत है और अगले वर्ष लोकसभा चुनाव में इसके अच्छे परिणाम में दिखाई देंगे।

हिंसा महाराष्ट्र सरकार और गृह मंत्रालय की विफलता: सुप्रिया

» विधायक अयोग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट से उन्हें काफी उम्मीदें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मराठा आरक्षण विरोध के दौरान हुई हिंसा को लेकर एनसीपी के मुखिया शरद पवार की बेटी नेता सुप्रिया सुले ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने हिंसा को महाराष्ट्र सरकार और गृह मंत्रालय की विफलता बताया।

सुप्रिया ने कहा कि राज्य में जिस तरह से चीजें हुईं, वह पूरे गृह मंत्रालय और खुद गृह मंत्री की विफलता थी। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार जुमलेबाजी करती है। इसका प्रमुख उदाहरण मराठा समुदाय, धनगर समुदाय, लिंगायत समुदाय और मुस्लिम समुदाय को आरक्षण देने के बीजेपी के फर्जी दावों में देखा जा सकता है। सुप्रिया ने महाराष्ट्र में विधायक अयोग्यता के मामले पर भी एएनआई से बात की और कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पीकर के व्यवहार पर निराशा जताई है। सुप्रिया सुले ने कहा कि पूरे मामले में उन्हें स्पीकर से कोई उम्मीद नहीं है लेकिन सुप्रीम कोर्ट से उन्हें काफी उम्मीदें हैं।

सत्ता में रहकर सट्टा का खेल: स्मृति ईरानी

» महादेव ऑनलाइन बैटिंग ऐप को लेकर भूपेश बघेल पर लगाया बड़ा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को दावा किया कि उन्होंने पैसे का लेन-देन करने के एक आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। इस शख्स ने आरोप लगाया है कि महादेव बैटिंग ऐप के प्रवर्तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब तक 508 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुके हैं। इसको लेकर स्मृति ईरानी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई।

स्मृति ईरानी ने कहा कि सत्ता में रहकर सट्टा का खेल जारी है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, कल देश के सामने भूपेश बघेल से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। असीम दास नाम के शख्स के पास से 5.30 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जब्त की गई। क्या यह सच है कि कांग्रेस नेताओं को असीम दास के माध्यम से शुभम सोनी से पैसे मिले? क्या यह सच है कि असीम दास को शुभम सोनी ने रायपुर जाने और चुनावी खर्च के रूप में बघेल को पैसे देने का आदेश दिया था? स्मृति ईरानी ने कहा, असीम दास ने अपने बयान में कबूल किया है कि वह आदेश के मुताबिक दुबई आया था। उसे आदेश दिया गया था कि कांग्रेस के चुनाव खर्च के लिए पैसे दिए जाएं। असीम दास ने कबूल किया है कि यह पैसा महादेव ऐप के तहत अवैध सट्टेबाजी का है। असीम दास ने कबूल किया है कि शुभम सोनी महादेव ऑनलाइन बुक के शीर्ष स्तर के प्रबंधन का हिस्सा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी हवाला ऑपरेटरों का इस्तेमाल कर छत्तीसगढ़ का चुनाव लड़ रही है।

भूपेश बघेल को दी 538 करोड़ रुपये की रिश्वत

स्मृति ईरानी ने कहा, ये तथ्य चौंकाने वाला है कि जिस शुभम सोनी के बारे में असीम दास ने बयान दिया है, ये माना जा रहा है कि जांच एजेंसी के पास शुभम सोनी की आवाज में भी सुबूत उपलब्ध हैं। एक लिखित बयान में ये कहा गया है कि महादेव ऐप के प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 538 करोड़ रुपये रिश्वत दी है। उन्होंने कहा, लेकिन ये एकमात्र ऐसी जानकारी नहीं है, बल्कि एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। महादेव ऑनलाइन बुक एप के प्रमोटर्स प्रशासन और कांग्रेस के नेताओं से जो संरक्षण चाहते थे, वो चंद्रभूषण वर्मा नाम के एक अधिकारी के माध्यम से भी प्रोटेक्शन मनी भेजते थे। चंद्रभूषण वर्मा ने अब तक 65 करोड़ रुपये रिश्वत के तौर पर हैंडल किए हैं।

बिहार के नक्शेकदम पर जगन मोहन सरकार

» कैबिनेट बैठक में जाति आधारित जनगणना कराने पर भरी हामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इस दौरान राज्य में जाति आधारित जनगणना कराने सहित कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बिहार सरकार ने पिछले महीने गांधी जयती के मौके पर जाति आधारित गणना के आंकड़ों को जारी किया था। उसी के बाद से ही कई लोगों ने और भी राज्यों को इसे अपनाने की सलाह दे दी थी। अब आंध्र प्रदेश सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह कवायद करने का फैसला किया गया।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान सलाह दी कि सभी मंत्रियों को आरोग्य सुरक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए, जो एक जनवरी से फिर से आयोजित होगा। मंत्रिमंडल ने 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक वाईएसआर आरोग्यश्री कार्यक्रम के बारे में एक और जन जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया ताकि लोग आरोग्यश्री एप डाउनलोड कर सके। इससे लोगों को मुफ्त चिकित्सा उपचार के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

इसके अलावा, उद्योग स्थापित करने के लिए एक नई भूमि आवंटन नीति लागू करने, नंदयाला और वाईएसआर जिलों में 5400 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए इकोरेन एनर्जी इंडिया लिमिटेड को 902 एकड़ भूमि आवंटित करने और तिरुपति जिले में होटल स्थापित करने के लिए एमआरके समूह को दो एकड़ भूमि का अतिरिक्त आवंटन करने का निर्णय लिया गया है।

जगनन्ना आरोग्य सुरक्षा की सराहना

बैठक में, मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि जाति आधारित जनगणना उत्पीड़ित वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने और उनके सामाजिक सशक्तिकरण को अगले स्तर पर ले जाने में मददगार होगा। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने जगनन्ना आरोग्य सुरक्षा की सराहना की क्योंकि अब तक 11,700 शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें 6.4 करोड़ चिकित्सा परीक्षण किए गए। राज्य सरकार के अनुसार, 8,72,000 से अधिक लोगों के आंखों की जांच की गई। इसके अलावा करीब 11,300 व्यक्तियों की आंखों की सर्जरी की गई। साथ ही 5,22,000 से अधिक व्यक्तियों को चश्मा दिए गए।

साम-दाम सब आजमा रहे हैं, बस जीतना है चुनाव

पूरे देश में लोकसभा चुनाव-24 पर चर्चाएं आम हुईं

» भाजपा को निशाने पर लेकर विपक्ष ने बोला हमला

गीताश्री

नई दिल्ली। पूरे देश में चुनावी माहौल अपने चरम पर पहुंचता जा रहा है। सता पक्ष, विपक्ष को छोपमारी से परेशान कर रही है तो विपक्ष महंगाई, भ्रष्टाचार पर उसे घेर रहा है। उत्तर से लकेर दक्षिण व पूर्व से लेकर पश्चिम तक नेता अपने तीर-तरकश को संवारने में लग गए है। दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण प्रदेश तेलंगाना में भी राजनैतिक उठापटक जारी है। वहां पर चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगू देशम (टीडीपी)न`लड़ने का फैसला किया है। उनके इस फैसले के बाद वहां की राजनीतिक पार्टियों उनके वोट बैंक पर नजर गड़ाए हैं। आने वाले चुनावों के नतीजे के बाद ही पता चलेगा कि किसको कितना लाभ मिलेगा। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने तेलंगाना में आगामी विधानासभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है।

इसी के साथ राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। वहीं यूपी में बीजेपी ने जाट, गुर्जर, कुर्मी, यादव, मौर्य, शाक्य, सैनी, कुशवाहा, निषाद, राजभर सहित पिछड़े वर्ग के अन्य समाज के सामाजिक सम्मेलन की योजना बनाई गई। साथ ही समाज के नेताओं को एजेंडा सौंपा गया। पिछड़े वर्ग के साथ अनुसूचित जाति और अगड़ी जातियों के लिए प्रदेश स्तर पर रणनीति तैयार करने पर मंथन हुआ। अधिकतर राजनीतिक दल हाल ही में रिहा हुए टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की प्रशंसा करके पार्टी के समर्थकों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है, चंद्रबाबू नायडू को 371 करोड़ रुपये के कौशल विकास घोटाले में नौ सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। अब 52 दिनों बाद उन्हें आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने चार सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दी। चंद्रबाबू नायडू को 24 नवंबर तक के लिए जमानत दी गई है। कोर्ट 10 नवंबर को उनकी मुख्य जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। तेलंगाना में 2018 के विधानसभा चुनावों में 3.5 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने और दो सीटें जीतने वाली टीडीपी ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि आखिरकार यह निर्णय क्यों लिया गया है।

जाति गणना की काट में जल्द ही भाजपा के देश भर के ओबीसी नेता मैदान में उतरेंगे। ये नेता मोदी सरकार के कार्यकाल में ओबीसी से जुड़ी उपलब्धियां गिना कर विपक्ष पर निशाना साधेंगे। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगुवाई में ढाई घंटे की मैराथन बैठक में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी समेत कई राज्यों के ओबीसी नेता मौजूद थे। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने आजादी के बाद की सभी सरकारों की तुलना में ओबीसी के हक में सर्वाधिक निर्णय लिए हैं। चाहे सरकारी नौकरियों में इस वर्ग के बैकलॉग को भरने का मामला हो, नीट में ओबीसी आरक्षण का या ओबीसी आयोग को सांविधानिक दर्जा देने का मामला। इस वर्ग के हित में मोदी सरकार के बराबर किसी सरकार ने निर्णय नहीं लिए। उन्होंने कहा कि जरूरत इन उपलब्धियों को ओबीसी समाज तक पहुंचाने की है। मोदी सरकार से हर मोर्चे पर मात खाने के बाद विपक्ष की रणनीति इस मुद्दे के सहारे सियासी बढ़त हासिल करने की है। ऐसे में पार्टी को आक्रामक ढंग से देश को बताना होगा कि इस समाज के हित में किसने कितने काम किए हैं।

सपा को पिछड़ों को सहेजना होगा

खीरी संसदीय सीट से दो बार सांसद रहे कद्दावर नेता रवि प्रकाश वर्मा ने सपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भेजे अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि खीरी में पार्टी के आंतरिक गतिविधियों के कारण मैं काम कर पाने में असमर्थ हूं, इसलिए सपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने अपने इस्तीफा देने का कारण लखीमपुर खीरी में सपा की आंतरिक गतिविधियों को बताया। चर्चा है कि रवि वर्मा अब कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। उधर, कांग्रेस प्रदेश कमेटी ने उनको पार्टी में शामिल कराने की तैयारियां पूरी कर ली हैं। लखीमपुर खीरी के गोला निवासी रवि प्रकाश वर्मा खीरी संसदीय सीट से दो बार सांसद और एक बार राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। वह इसी साल जनवरी महीने में सपा के तीसरी बार राष्ट्रीय महासचिव बने थे। लेकिन, कुछ ही महीनों बाद उनकी सपा से अनबन सामने आ गई थी, तभी से इस बात के कयास लगाए जाने लगे थे कि रवि वर्मा लोकसभा चुनाव से पहले सपा का साथ छोड़ सकते हैं। रवि प्रकाश वर्मा के पिता बाल गोविंद वर्मा वर्ष 1962 से 1971 और फिर 1980 में सांसद चुने गए थे। कुछ दिन बाद उनका निधन हो गया तो उपचुनाव हुआ, जिसमें रवि प्रकाश की माता उषा वर्मा सांसद चुनी गईं। इसके बाद वह वर्ष 1984 से 1989 तक सांसद रहीं। रवि प्रकाश वर्ष 1998 से 2004 तक सपा से सांसद रहे। इसके बाद 2014 से 2020 तक राज्यसभा सदस्य रहे। जानकारी के मुताबिक सपा के स्थानीय और नए नेताओं को पार्टी में ज्यादा तरजीह दिए जाने से रवि वर्मा नाराज थे। इसी के चलते जून महीने में जब सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दो दिन के दौरे पर कार्यकर्ता सम्मेलन में खीरी आए थे तो उनके मंच से कद्दावर नेता रवि प्रकाश वर्मा गायब थे। रवि वर्मा कुर्मी समाज के कद्दावर नेता हैं। जिले की करीब 50 लाख की आबादी वाले खीरी जनपद में ओबीसी आबादी सबसे ज्यादा करीब 35 प्रतिशत है। इनमें कुर्मी बाहुल्य आबादी पहले नंबर पर है। इसी गणित को साधते हुए समाजवादी पार्टी ने रवि प्रकाश वर्मा को तीसरी बार जनवरी महीने में राष्ट्रीय महासचिव बनाया था। आगामी लोकसभा चुनाव में टिकट न मिलने की बनती स्थिति को लेकर वह पार्टी से नाराज रहे। बता दें कि पूर्व में उनकी बेटी पूर्वी वर्मा भी सपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं, लेकिन उनको हार का सामना करना पड़ा था।

यूपी, बिहार और महाराष्ट्र पर सबकी नजर

बैठक में मुख्य रूप से बिहार व यूपी के अलावा मराठा आरक्षण आंदोलन की आग में जल रहे महाराष्ट्र की चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि पार्टी के ओबीसी नेता अपने वर्ग के हित में मोदी सरकार और भाजपा शासित राज्यों द्वारा किए गए कार्यों का व्यापक प्रचार प्रसार करें। पार्टी सूत्रों ने कहा कि जल्द ही इसके लिए एक विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया जाएगा। चूंकि जाति की राजनीति का सर्वाधिक प्रभाव बिहार और उत्तर प्रदेश में है, ऐसे में बैठक में मुख्य रूप से इन्हीं दो राज्यों की ताजा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा हुई। यूपी में जाट, गुर्जर, कुर्मी, यादव, मौर्य, शाक्य, सैनी, कुशवाहा, निषाद, राजभर सहित पिछड़े वर्ग के अन्य समाज के सामाजिक सम्मेलन की योजना बनाई गई। साथ ही समाज के नेताओं को एजेंडा सौंपा गया। पिछड़े वर्ग के साथ अनुसूचित जाति और अगड़ी जातियों के लिए प्रदेश स्तर पर रणनीति तैयार करने पर मंथन हुआ। इसके लिए दूसरे दलों के प्रभावशाली नेताओं को पार्टी में शामिल कराने के साथ छोटे-छोटे दलों को साथ लेने की योजना पर भी बात हुई।

जनता के बीच मुद्दों पर हो रही बहस

अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसको लेकर राजनीति शुरू हो गई है। देश भर में ईडी और सीबीआई की छापेमारी को लेकर हो रही राजनीति पर पूछा। उन्होंने कहा कि यह एक कानूनी प्रक्रिया है चलती रहती है। हालांकि जिन राज्यों में चुनाव है वहां यह राजनीतिक मुद्दा बन जाता है। इसके साथ ही राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर पीएम मोदी को मिले निमंत्रण पर भी हमने सवाल पूछा। भूपेश बघेल और अशोक गहलोत ने जांच एजेंसियों की तुलना कुत्ते से कर दी। लोगों ने कहा कि इस तरह की चीज कहना पूरी तरीके से गलत है। जांच एजेंसी में जो भी अधिकारी काम कर रहे हैं, वह पूरी मेहनत और निष्ठा के साथ अपना दायित्व निभा रहे हैं और अगर कोई आरोप है तो हमें जांच में उनका साथ देना चाहिए। लोगों ने बहस में दिल्ली और मुंबई में वायु प्रदूषण को लेकर भी हमने सवाल उठाए। आम जनता ने कहा कि शायद जो हमारी सरकारें हैं वह आंखें मूंदकर प्रदूषण के मामले में बैठी हुई है। कोई ठोस निर्णय नहीं लेना चाहती। जब भी प्रदूषण का दायरा बढ़ता है तो अलग-अलग तरह की घोषणाएं करती जाती है। तमाम टास्क बना दिए जाते हैं। लेकिन उनका इंप्लीमेंट लगातार होता रहे इस पर किसी का ध्यान नहीं रहता। ओड-इवन, इंजन ऑन-ऑफ की बजाय हमें मूल समस्याओं पर जाना चाहिए। अगर किसान पराली जला रहे हैं जिसकी वजह से दिल्ली एनसीआर में समस्याएं हैं तो इस समस्या को जड़ से खत्म करना चाहिए। किसान अपनी अगली फसल के लिए तैयारी पहले भी करते थे और आज भी कर रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गुलामी वाले शब्दों से छुटकारा जरूरी

अंग्रेजों के जमाने में अदालती कार्यवाही के समय वकील जज को माई लार्ड कहकर संबोधित करते थे। वर्तमान सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने इस शब्द पर आपत्ति की उन्होंने वकीलों से कहा वे जजों को सिर्फ सर से संबोधित करें। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा ये शब्द गुलामी को दर्शाने वाले हैं। उनकी आपत्ति जायज है ये शब्द तब बने थे अंग्रेज यहा शासन करते थे अब चूकि भारतीय ही न्यायपालिका में शामिल हैं तो ऐसे संबोधन को छोड़ना ही श्रेयस्कर होगा। हालांकि इससे पहले भी कई जज इस पर सवाल उठा चुके हैं। पर वकीलों ने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया। पर जब यह मुद्दा फिर उठा है तो इस पर सरकार व जूडिशियरी को मिलकर काम करना चाहिए। ऐसा विश्वास किया जा सकता है आने वाले समय पर इसका समाधान निकाला जाएगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में जब भी सुनवाई होती है यानी न्यायिक कार्यवाही की जाती है, तो वकीलों के जरिए जज को दो खास शब्दों से संबोधित किया जाता है।

ये शब्द हैं 'माई लॉर्ड' और 'योर लॉर्डशिप्स', अंग्रेजों के जमाने से ही अदालत में जजों को संबोधित करने के लिए इन शब्दों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। आजादी के बाद भी इसमें किसी तरह का कोई बदलाव नहीं हुआ और पिछले 7 दशक से इन दोनों ही शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि, अब 'माई लॉर्ड' और 'योर लॉर्डशिप्स' शब्द पर आपत्ति जताई गई है। ये आपत्ति और किसी ने नहीं, बल्कि खुद सुप्रीम कोर्ट के जज ने जताई है, दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने न्यायिक कार्यवाही के दौरान वकीलों के जरिए बार-बार 'माई लॉर्ड' और 'योर लॉर्डशिप्स' कहे जाने पर नाखुशी जताई। वह इस बात से इतना ज्यादा नाराज हुए कि उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर वकील ऐसा कहना बंद कर देंगे, तो उन्हें वह अपनी आधी सैलरी देने के लिए भी तैयार हैं। दरअसल, जस्टिस ए.एस. बोपन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा एक नियमित मामले की सुनवाई कर रहे थे। इस दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने एक वरिष्ठ अधिवक्ता से कहा, आप कितनी बार माई लॉर्ड्स कहेंगे? यदि आप यह कहना बंद कर देंगे, तो मैं आपको अपना आधा वेतन दे दूंगा। 'माई लॉर्ड' या 'योर लॉर्डशिप' कहने की इस प्रथा का विरोध करने वाले अक्सर इसे औपनिवेशिक युग का अवशेष और गुलामी की निशानी कहते हैं। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, 'आप इसके बजाय सर% का इस्तेमाल क्यों नहीं करते?' उन्होंने कहा कि अन्यथा वह गिनना शुरू कर देंगे कि वरिष्ठ अधिवक्ता ने कितनी बार 'माई लॉर्ड्स' शब्द का उच्चारण किया। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) ने 2006 में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें फैसला लिया गया था कि कोई भी वकील न्यायाधीशों को 'माई लॉर्ड' और 'योर लॉर्डशिप' कहकर संबोधित नहीं करेगा, लेकिन व्यवहार में इसका पालन नहीं किया जा सका।

“ इससे पहले भी कई जज इस पर सवाल उठा चुके हैं। पर वकीलों ने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया। पर जब यह मुद्दा फिर उठा है तो इस पर सरकार व जूडिशियरी को मिलकर काम करना चाहिए। ऐसा विश्वास किया जा सकता है आने वाले समय पर इसका समाधान निकाला जाएगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में जब भी सुनवाई होती है यानी न्यायिक कार्यवाही की जाती है, तो वकीलों के जरिए जज को दो खास शब्दों से संबोधित किया जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बदलाव जारी रहेगा या फिर टूटेगा रिवाज

हरीश मलिक

राजस्थान में तीन दशक से रिवायत रही है कि जनता-जनार्दन हर पांच साल बाद सरकार को बदल देती है। पांच साल के लिए भाजपा और पांच साल के लिए कांग्रेस के इस रिवाज को इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बदलने का दावा कर रहे हैं और ताल ठोक रहे हैं कि उनकी सरकार 156 सीटों के साथ रिपीट होगी। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इमेज पर सवार भाजपा थिंक टैंक का मानना है कि करप्शन-कुशासन और कांग्रेसियों की आपसी लड़ाई से परेशान राजस्थान की जनता गहलोत सरकार को डिलीट करके एक बार फिर चौतरफा विकास के लिए राज्य की बागडोर भाजपा को सौंपने की तैयारी कर चुकी है। भाजपा ने पार्टी के भीतर किसी भी चुनावी कलह को समाप्त करने के लिए सामूहिक नेतृत्व का मंत्र फूंका है। यानी चुनावी चेहरा, कमल का निशान और पीएम मोदी ही रहेंगे। पार्टी की चुनावी व्यूह रचना भी इसी के ईद-गिर्द है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए शंखनाद भले ही कुछ समय पहले हुआ हो, लेकिन पीएम मोदी का राजस्थान पर विशेष फोकस पिछले एक साल से है। इस अवधि में वे प्रदेश के 11 दौरे कर चुके हैं और अरबों के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण कर चुके हैं। पीएम ने प्रदेश की 200 में से करीब 125 विधानसभाओं के मतदाताओं को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से खुद के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। इनमें से सिर्फ 41 सीटें भाजपा ने 2018 के विधानसभा चुनाव में जीती थीं। यानी आधी से ज्यादा वो सीटें हैं, जो अभी दूसरे दलों या निर्दलीयों के खाते में हैं। भाजपा की रणनीति इन्हीं सीटों पर सेंध लगाने और खुद के गढ़ को और मजबूत करने की है। इसी रणनीति के तहत पीएम हर बार अलग-अलग संभागों में जा रहे हैं, ताकि सभी जिलों में पार्टी मजबूत हो। यही वजह है कि वे मारवाड़ से मेवाड़ तक, आदिवासी अंचल से गुर्जर बहुल विधानसभाओं तक, जाट-राजपूतों से लेकर आस्था केंद्रों तक और राजधानी से सीएम के गृह जिले तक हुंकार भर चुके हैं।

चुनाव आयोग द्वारा तिथि बदलने के बाद राजस्थान में अब मतदान 25 नवंबर को होगा और नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे। अहम सवाल यह उठ रहा है कि प्रदेश में बदलाव की परम्परा कायम रहेगी या रिवाज टूटेगा!

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सरकार रिपीट करने के लिए अपना पूरा प्रशासनिक व राजनीतिक कौशल झोंक रखा है। खासकर इस साल बजट के साथ ही वे चुनावी मोड पर आ गए और जनता के हर वर्ग के लिए कई लोकलुभावन और फ्री योजनाओं की झड़ी लगा दी। उन्होंने महिलाओं, मध्यम वर्ग, किसानों, व्यापारियों और जातिगत वोट बैंक को साधने की खूब कोशिश की है। युवा वर्ग जरूर रोजगार और नौकरी न मिलने से, पेपर लीक माफिया के हावी होने से सरकार से नाराज है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कांग्रेस हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में मिली चुनावी सफलता का सिलसिला यहां भी बरकरार रख पाएगी? राजस्थान के चुनावों में करप्शन और लाल डायरी के बाद ईडी ने एंट्री मार ली है। पीएम मोदी से लेकर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा तक लाल डायरी को मुद्दा बना रहे हैं। इसके साथ ही राजस्थान की चारों दिशाओं में चार परिवर्तन यात्राओं में सामूहिक नेतृत्व का मंत्र फूंकने की रणनीति नजर भी आई। राज्य के बजाय केंद्रीय नेताओं ने इन यात्राओं का आगाज किया और समापन पर खुद पीएम मोदी ने जयपुर आकर कांग्रेस को ललकारा। दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनाव से ऐन पहले ईडी के छापों को राजनीतिक मुद्दा बनाया है। कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी दबाव बनाने की राजनीति कर रही है। बता दें कि ईडी ने हाल ही में पेपर लीक मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के कई ठिकानों पर छापे मारे हैं। इतना ही नहीं, सीएम गहलोत के पुत्र और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत भी ईडी के रडार पर हैं। ईडी ने उन्हें फेमा के तहत समन भेजकर दिल्ली तलब किया है। पीएम मोदी के काम और नाम भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं और कांग्रेस इस ताकत का तोड़ जातीय सर्वेक्षण और ओबीसी आरक्षण में देख रही है।

कांग्रेस कार्यसमिति की हैदराबाद बैठक में पारित प्रस्तावों से यह साफ हो गया था कि अब पार्टी की चुनावी रणनीति के यह दो अहम हथियार होंगे। महिलाओं के लिए विधायिका में आरक्षण को तत्काल लागू करने और ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने यानी जिसकी जितनी आबादी, उसको उतना हक वाली थीम पर चलते हुए कांग्रेस मोर्चाबंद हो रही है। राजस्थान में जातिगत सर्वे के साथ ही कांग्रेस पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को चुनावी मोर्चे पर ले आई है और वह इसके सहारे वोटों की फसल काटना चाहती है।

कीटनाशकों से मुक्ति संग किसान की आय भी बढ़े

देविंदर शर्मा

'मालूम नहीं क्यों हम धान की फसल पर और ज्यादा कीटनाशक डालते जा रहे हैं,' यह आश्चर्य दुनिया के शीर्ष राइस साइंटिस्ट डॉ. गुरदेव सिंह खुश ने व्यक्त किया, जब हाल ही में लुधियाना स्थित पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में मेरी उनसे मुलाकात हुई। उन्होंने यह भी कहा कि 'प्लांट ब्रीडर के तौर पर हम वैज्ञानिक धान की कीट रोधी और रोग रोधी किस्में विकसित करते हैं उसके बावजूद साल-दर-साल धान पर कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ता हुआ ही पाते हैं।' डॉ. खुश 35 वर्षों से भी ज्यादा वक्त तक फिलिपींस के अंतर्राष्ट्रीय चावल शोध संस्थान (आईआरआरआई) में कार्यरत रहे। डॉ. खुश जिन्हें कुछ लोगों द्वारा 'पैडी डैडी' भी कहा जाता है, ने चावल की 328 वैरायटीज का विकास किया है, जिनमें ब्लॉक-बस्टर आईआर-36 और आईआर-42 और आईआर 64 किस्म भी शामिल हैं।

ये किस्में कुल मिलाकर चावल की खेती के तहत लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र में उगायी जाती हैं। भारत, इंडोनेशिया, वियतनाम, चीन से मोजाम्बिक तक, ये किस्में बेहद लोकप्रिय हैं। यहां तक कि, इंडोनेशिया के एक पूर्व कृषि मंत्री ने एक बार आईआरआरआई के तत्कालीन महानिदेशक से मजाक में कहा था कि आईआर36 किस्म ने उनके लिए बड़ा सिरदर्द पैदा किया। फिर उन्होंने अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा, 'हमारे पास अब इतना सारा चावल है कि हमें पता नहीं कि इसे कहां स्टोर करें।' 1980 के दशक में वैश्विक स्तर पर 11 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान की आईआर 36 वैरायटी रोपी गयी थी, जो किसी भी फसल की किस्म के तहत सबसे बड़ा इलाका था। कृषि अर्थशास्त्रियों ने ज्ञात किया था कि एशियाई किसान हर साल धान का 5 मिलियन टन अतिरिक्त उत्पादन करते हैं, जिससे हर साल एक बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई होती है।

आईआर 36 किस्म द्वारा प्रदान की गई रोग प्रतिरोधक क्षमता से किसानों को कीटनाशकों की लागत में प्रति वर्ष लगभग 500 मिलियन की बचत हुई। साल 1982 में फिलीपींस के लॉस बानोस में अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के एक एक्सटर्नल रिव्यू के मुताबिक', 'अकेले आईआर 36 का असर 21 बरस पहले आईआरआरआई की स्थापना के बाद से इसमें निवेश को सही ठहराने से भी कहीं ज्यादा होगा।' यहीं डॉक्टर खुश के योगदान का कोई मुकाबला नहीं है। इसलिए जब वे धान पर रासायनिक कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग व दुरुपयोग पर चिंता जताते हैं तो यह समय संज्ञान लेने का है। मुझे याद है, आईआरआरआई के पूर्व महानिदेशक डॉ. रॉबर्ट कैंट्रेल ने एक बार कहा था-'एशिया में धान की फसल पर पेस्टिसाइड्स का उपयोग धन और प्रयासों की बर्बादी है।' फिलिपींस के सेंट्रल लुजोन सूबे, वियतनाम और बांग्लादेश के किसानों ने भी इसे निर्णायक तौर पर दर्शाया है कि कीटनाशक आवश्यक नहीं हैं।

किसानों ने पेस्टिसाइड्स के बिना भी उच्चतर उत्पादकता प्राप्त की है। करीब दो दशक पूर्व डॉ. कैंट्रेल और लेखक अंतर्राष्ट्रीय कृषि रिसर्च के सलाहकार समूह (सीजीआईएआर) के बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य थे। बता दें कि सीजीआईएआर 15 अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्रों की गवर्निंग बॉडी है। हम अक्सर उस गैरजरूरी दबाव से उत्पन्न होने वाले हानिकारक पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंता करते थे जो कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं, दोनों के बीच बनाने में कीटनाशक निर्माता सफल रहे थे। वे हमेशा कीटनाशकों से दूर जाने के प्रति राष्ट्रीय कृषि केंद्रों की अनिच्छा पर निराशा व्यक्त करते थे। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) अब उनके नाम पर 'गुरदेव सिंह खुश इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स, प्लांट ब्रीडिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी' और एक संग्रहालय समर्पित कर रहा है, जो इस विवि के पूर्व छात्र भी हैं। ऐसा करके पीएयू ने खुद को महान सम्मान दिया है। डॉ. खुश को वर्ष 1996 का विश्व खाद्य पुरस्कार, जो इन्हें अपने संरक्षक हेनरी बीचेल के साथ मिला था। वहीं ये 1987 में जापान पुरस्कार, 1977 में बोरलॉग पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। डॉ. खुश को साल 1995 में रॉयल सोसाइटी के सदस्य के रूप में चुना गया था। कम होते भूजल स्त्रोतों के बारे में उन्होंने स्वीकार किया कि अब धान की ऐसी किस्में विकसित करने का समय आ गया है जिन्हें पानी की जरूरत कम हो। किसी भी दशा में, वे धान के खेत को फसल के अधिकतर भाग तक पानी से लबालब रखने के पक्ष में नहीं थे।

जब मैंने उनसे विशेष तौर पर, दुनियाभर में चर्चा का विषय बन रहे खाद्य प्रणाली में बदलावों और खाद, कीटनाशकों व पानी की कम खपत वाली धान किस्में विकसित करने की जरूरत के बारे में पूछा तो उनकी प्रारंभिक प्रतिक्रिया थी कि 'यह अच्छा विचार है'। 'यह सिर्फ तभी संभव है जब हम किसानों को पराली जलाने के बजाय उसे खेत में ही जुताई करके मिट्टी में मिलाने के बारे में सीख देंगे। इससे धरती में पर्याप्त पोषक तत्व बढ़ेंगे, और ऐसे में रासायनिक साधनों की जरूरत कम पड़ेगी।' आने वाले दिनों में हम राइस रिसर्च के,कम से कम पीएयू में, कैमिकल से नॉन कैमिकल धान की खेती की ओर परिवर्तन के बारे में सोच सकते हैं। नि:संदेह, पराली संकट का असल समाधान पराली के स्थानीय स्तर पर ही प्रबंधन में निहित है। ये मानते हुए कि अकेले पंजाब में धान के 200 लाख टन अवशेष पैदा होते हैं।

घर पर बनाएं स्वादिष्ट जयपुर की मशहूर प्याज की कचौड़ी

भारत देश अपनी विविधता की वजह से जाना जाता है। यहां हर राज्य का अपना अलग खास तरह का खाना है। अगर बात करें राजस्थानी खाने की तो राजस्थान में नाश्ते के कई ऑप्शन मिल जाते हैं। सुबह से लेकर शाम तक राजस्थान के जयपुर जिले में आपको जगह-जगह प्याज की कचौड़ी मिल जाएगी। ये खाने में इतनी स्वादिष्ट लगती है कि क्या कहने। इसे लोग चाय के साथ खाना बेहद पसंद करते हैं। अगर आप कभी जयपुर गए होंगे तो आपने भी प्याज की कचौड़ी जरूर खाई होगी। जो भी व्यक्ति एक बार ये खास कचौड़ी खा लेगा, वो उसका स्वाद भूल नहीं पाएगा। ऐसे में आप अगर चाहें तो बड़ी ही आसानी से इसे घर पर बना सकते हैं।

सामान

1.5 कप बेसन, मैदा, 2 बड़े प्याज, पत्तियों के साथ कटा हुआ 2-3 हरी मिर्च, बारीक कटी हुई अदरक, हरा धनिया, आधा चम्मच अजवाइन, आधा चम्मच हींग, आधा चम्मच नमक, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच गरम मसाला, छोटी सी लहसुन की कली, सौंफ।

विधि सबसे पहले एक बड़े बाउल में मैदा, बेसन, नमक और अजवाइन डालें। इसके बाद इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिला लें। प्याज की कचौड़ी की स्टफिंग तैयार करने के लिए जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा, सौंफ और एक चुटकी हींग डालकर भूनें। इसके बाद कढ़ाही में कटे हुए प्याज डालकर तब तक पकाएं जब तक कि प्याज सुनहरा ना हो जाए। इसके बाद प्याज में अदरक का पेस्ट और कटी हरी मिर्च डालकर कुछ देर तक और भूनें। सही से भूनने के बाद इसे ठंडा करने के लिए अलग रखें। ऊपर से हरा धनिया जरूर डालें। जब स्टफिंग ठंडी हो जाए तो एक लोई लेकर उसे पहले हल्का बेल लें। इसके बाद अब इसमें प्याज की स्टफिंग भरकर चारों तरफ से दबा कर बंद कर दें। आखिर में इसे सुनहरा होने तक सेंके। इसे आप हरे धनिये की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

त्यौहारों पर बनाएं तीन तरह की बर्फी

कोई भी त्यौहार हो हलवा, पुड़ी, खीर, लड्डू और बर्फियों के बिना अधूरा ही है, क्योंकि इन डिशेज के बगैर हमारा पारंपरिक व्यंजन पूरा ही नहीं होता। इनकी खुशबू और स्वाद से ही त्योहारों के होने का एहसास भी होता है। त्योहार में हर घर में मिठाइयां और पकवान खूब बनाए जाते हैं। वैसे भी इन पारम्परिक व्यंजनों को बनाने के लिये भारतीय महिलाएं हमेशा तैयार रहती हैं। तो इस दीवाली को बनाएं खास। इस बार अपनों के लिए बनाएं कई प्रकार की बर्फी और अपनों को त्योहारों पर इन मिठाईयों को परोसें।

दूध की बर्फी

इसे बनाने में भी आपको बहुत मेहनत नहीं करनी है। इसे बनाने के लिए आपको दूध को पहले तेज आंच पर उबालना है, फिर इसे मीडियम आंच पर लगातार चलाते हुए पकाना है। कब दूध आधे से कम हो जाए, तब इसमें मिल्क पाउडर को मिलाएं। मिल्क पाउडर मिलाने से आपका दूध और भी अच्छे से गाढ़ा हो जायेगा, अब इसमें चीनी मिलाएं और चलातें रहें। जब दूध कढ़ाई छोड़ने लगे तब इसकी जमने की कनसिसटेन्सी देखकर किसी घी लगी थाली में सतह से बराबर मात्रा में फैला दें। कुछ देर बाद इसपर चांदी का वर्क लगा दें और चाकू की मदद से इसे बर्फी के शेप में काट लें। तैयार है आपकी दूध से बनी बर्फी। इसे भी इसे आप व्रत में भी खा सकते हैं।

चॉकलेट बर्फी

बच्चों और बड़ो सबकी फेवरेट चॉकलेट बर्फी बनाना बहुत आसान है। इसके लिए सबसे पहले आपको 1 चम्मच सादा कोको पाउडर,1/4कप मिल्क पाउडर को बहुत अच्छे से मिक्स करना है, जिससे दोनों अच्छे से मिल जाए। अब आप एक पैन में 200 ग्राम चीनी डालकर इसे गलने दें और कुछ देर पकाएं। कुछ समय बाद इसकी कनसिसटेन्सी चेक करें, अगर ये एक तार की है, तो इसमें पहले से मिक्स किये हुए कोको पाउडर और मिल्क पाउडर को मिला देना है और इसे लगातार कुछ देर तक चलाते रहना है। अब इसमें कुछ कटे हुए ड्राई फ्रूट्स और दो चम्मच देसी घी मिलाकर आंच बंद कर देना है और इसे घी लगी थाली में सतह से बराबर मात्रा में फैला लें। कुछ देर बाद इसे चौकोर शेप में काटें और ठंडा होने पर किसी कंटेनर में बंद करके रखें। तैयार है आपकी चॉकलेट बर्फी।

कच्चे पपीते की बर्फी

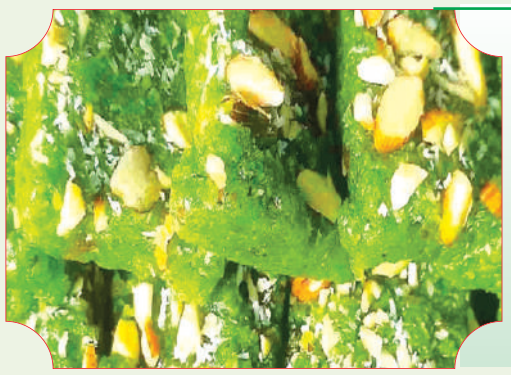

इसे बनाना बहुत ही आसान है। इसके लिए आपको कच्चे पपीते को धुलकर छिल लेना है और फिर इसे कद्दूकस करना है। इसके बाद कढ़ाई में एक चम्मच देसी घी डालकर कुछ देर भूनना है, फिर इसमें दो कटोरी चीनी डालकर 15-20 मिनट तक ढककर पकाना है। अबतक चीनी गल चुकी हागी और पपीता भी अच्छे से पक चुका होगा। अब इसमें मिल्क पाउडर, थोड़ी कटी हुई ड्राई फ्रूट्स, देसी घी और पिसी हुई छोटी इलायची पाउडर डालकर कुछ देर और पकाना है। इनके अच्छे से मिक्स और हलवे जैसे गाढ़ा होने पर किसी घी लगी थाली में बराबर सतह से फैला देना है। आधे घंटे बाद इसे चाकू की मदद से बर्फी के शेप में काट लें। तैयार है आपकी टेस्टी और हेल्दी कच्चे पपीते की बर्फी। आप इसे किसी भी व्रत में भी खा सकती हैं।

हंसना मना है

लड़का और लड़की एक रेस्टोरेंट गए, वेटर- मैम, आप कुछ लेंगी? लड़की- भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना.. वेटर- क्या? लड़का-गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

संता- डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर- 50 हजार, संता- अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर- तो पिघला कर चिपका भी लेना।

पापा- दिन भर फेसबुक पर बैठा रहता है, ये तुझे रोटी नहीं देने वाली, बेटा- पापा मुझे भी पता है रोटी नहीं देगी, पर रोटी बनाने वाली तो यहीं मिलेगी!

शादी करनी हो तो, अपनी गर्लफ्रेंड से करो.. दूसरों की गर्लफ्रेंड से तो घरवाले भी करवा देते है।

सरदार अपनी बीवी के साथ टैक्सी में बैठा, ड्राइवर ने आईना सेट किया, ये देखते ही सरदार (गुस्से में)- मेरी बीवी को देखता है, तु पीछे बैठ टैक्सी मैं चलाऊंगा!

कहानी — बुरे समय में कृतज्ञता ना छोड़ें

एक शिकारी ने शिकार पर तीर चलाया। तीर पर खतरनाक जहर लगा हुआ था। तीर शिकार की जगह एक फले-फूले पेड़ में जा लगा। पेड़ सूखने लगा। उस पर रहने वाले सभी पक्षी एक-एक कर उसे छोड़ गए। पेड़ के कोटर में एक धर्मात्मा तोता बहुत बरसों से रहा करता था। तोता पेड़ छोड़ कर नहीं गया, बल्कि अब तो वह ज्यादातर समय पेड़ पर ही रहता। दाना-पानी न मिलने से तोता भी सूख कर कांटा हुआ जा रहा था। बात देवराज इंद्र तक पहुंची। मरते वृक्ष के लिए अपने प्राण दे रहे तोते को देखने के लिए इंद्र स्वयं वहां आए। धर्मात्मा तोते ने उन्हें पहली नजर में ही पहचान लिया। इंद्र देव ने कहा- देखो भाई इस पेड़ पर न पत्ते हैं, न फूल, न फल। अब इसके दोबारा हरे होने की कौन कहे, बचने की भी कोई उम्मीद नहीं है। जंगल में कई ऐसे पेड़ हैं, जिनके बड़े-बड़े कोटर पत्तों से ढके हैं। पेड़ फल-फूल से भी लदे हैं। वहां से सरोवर भी पास है। तुम इस पेड़ पर क्या कर रहे हो, वहां क्यों नहीं चले जाते? तोते ने जवाब दिया- देवराज, मैं इसी पर जन्मा, इसी पर बड़ा हुआ, इसके मीठे फल खाए। इसने मुझे दुश्मनों से कई बार बचाया। इसके साथ मैंने सुख भोगे हैं। आज इस पर बुरा वक्त आया तो मैं अपने सुख के लिए इसे त्याग दूं? जिसके साथ सुख भोगे, दुख भी उसके साथ भोगूंगा, मुझे इसमें आनंद है। आप देवता होकर भी मुझे ऐसी बुरी सलाह क्यों दे रहे हैं? यह कह कर तोते ने तो इंद्र देव को जबाब दिया। तोते की दो-टूक सुन कर इंद्र प्रसन्न हुए, बोले- मैं तुमसे प्रसन्न हूं, कोई वर मांग लो। तोता बोला- मेरे इस प्यारे पेड़ को पहले की तरह ही हरा-भरा कर दीजिए। देवराज ने पेड़ को न सिर्फ अमृत से सींच दिया, बल्कि उस पर अमृत बरसाया भी। पेड़ में नई कोंपलें फूटीं। वह पहले की तरह हरा हो गया, उसमें खूब फल भी लग गए। तोता उस पर बहुत दिनों तक रहा, मरने के बाद देवलोक को चला गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपको कहीं जाने की योजना रद्द करनी पड़ सकती है। खर्च पर नियंत्रण रखें। आर्थिक मोर्चे पर आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहेगा।

वृषभ आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है, जो लोग आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत हैं, उनको सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

मिथुन आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। आपको पारिवारिक कार्यो को पूरा करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। दुकानदारों के लिए दिन बेहतर रहने वाला है।

कर्क आपके स्वभाव में कुछ उग्रता रहेगी, इसे त्यागने की कोशिश करें। प्रशासन से जुड़े लोग उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आज कुछ नए लोगों से आपकी मुलाकात होगी।

सिंह आज का दिन विवाह योग्य जातकों के लिए उत्तम अवसर लेकर आयेगा। सरकारी नौकरी करने वाले जातक यदि किसी छोटे मोटे व्यवसाय को करने की सोच रहे हैं।

कन्या दिन खुशियों भरा रहेगा। आपकी अंदरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा।

तुला अपने पार्टनर को खुश करने के लिए आप उन्हें कोई सरप्राइज गिफ्ट दे सकते है। आज आपका मनोबल कायम रहेगा, आपके भीतर जीवनशक्ति का भी संचार होगा।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए उन्नति भरा रहेगा। यदि आज आप अपने धन को किसी शेयर बाजार अथवा लॉटरी में निवेश करेंगे, तो वह आपको लाभ अवश्य देगा।

धनु दिन बेहतरीन रहने वाला है। कई दिनों से रुके हुए घरेलू कार्य पूरा करने में सफल होंगे। नौकरी में आपके मनपसंद जगह पर ट्रांसफर होगा, जिससे आप प्रसन्न रहेंगे।

मकर आज यात्रा आपको थकान और तनाव देगी- लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। नौकरी, करियर और पैसों के लिहाज से दिन अच्छा है।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज कई काम एक साथ हाथ में आने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है, जिसके कारण आप परेशान भी अवश्य रहेंगे।

मीन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। घरेलू चीजों को खरीदने में आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते हैं। आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

दिल की डॉक्टर बन टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया को जज करने के लिए तैयार हूं: मौनी राय

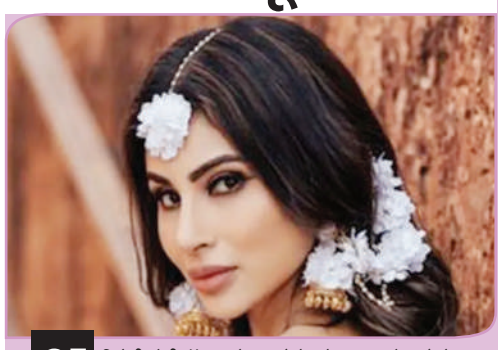

अभिनेत्री मौनी रॉय अपने नए शो टेम्पटेशन आइलैंड को लेकर हर तरफ चर्चा में हैं। मौनी रॉय टीवी से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। अभिनेत्री ने सीरियल के अलावा गोल्ड, मेड इन चाइना, रोमियो अकबर वाल्टर, वेले और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्मों में काम किया। अब हाल ही में, मौनी ने खुलासा किया है कि उनसे कभी भी रियलिटी शो में भाग लेने के लिए नहीं कहा गया था, लेकिन इस शो में वह बतौर जज नजर आएंगी। मौनी रॉय टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया शो के साथ फैंस के दिलों की रानी बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री को प्रतियोगियों के लिए एक जज के रूप में देखा जाएगा। मौनी ने अपने हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया कि इस शो के लिए उनसे किसी ने भाग लेने के लिए नहीं कहा है। इसके बावजूद अब उन्होंने शो को जज करने का फैसला किया है और इसे लेकर काफी उत्साहित भी हैं। टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया शो में भाग लेने के अपने फैसले का खुलासा करते हुए मौनी ने कहा, मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया है। मुझे लगता है कि मुझे लोगों की भावनाओं की अच्छी समझ है। मैं कुछ स्थितियों और लोगों के लिए सही फैसले ले सकती हूं और निष्पक्ष भी हो सकती हूं। मैं ईमानदार राय दे सकती हूं। यह उन पर निर्भर है कि वे इसे लेना चाहते हैं या नहीं। तो मैंने सोचा कि चलो यह करते हैं। यही कारण है कि मैंने इस शो के लिए हां कहा है। इंटरव्यू में आगे मौनी से पूछा गया कि टेम्पटेशन शब्द को वह कैसे परिभाषित करेंगी। तो इसपर अभिनेत्री ने कहा, मेरे दिमाग में जो कुछ भी आता है वह खाना है। मेरे लिए हेल्दी रहना ही टेम्पटेशन है। हालांकि, मुझे यह भी लगता है कि टेम्पटेशन जीवन के हर क्षेत्र में है। जब भी अनुशासन होता है, आप कुछ और करने के लिए आकर्षित होते हैं। यह हमारे जीवन का हिस्सा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी गोल्ड, रोमियो अकबर वाल्टर और लंदन कॉन्फिडेंशियल जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं लेकिन ब्रह्मास्त्र में उनके प्रदर्शन ने उन्हें सफलता दिलाई है। अब अभिनेत्री बतौर जज टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया में नजर आएंगी।

आगे भी परेश रावल संग करूंगी कॉमेडी फिल्में : मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर ने लव सोनिया, सुपर 30, बाटला हाउस और सीता रामम जैसी फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई है। अब उन्होंने फिल्म आंख मिचोली से कॉमेडी शैली में हाथ आजमाया है। इस फिल्म में परेश रावल भी अहम रोल में नजर आए हैं। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान मृणाल ठाकुर ने परेश रावल के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। मृणाल ठाकुर ने आंख मिचोली के बाद भी आगे कॉमेडी फिल्मों में काम करने की इच्छा जताई है। फिल्म में परेश रावल के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह एक तरह से कॉमेडी स्कूल में रहने जैसा था, वह भी इस फायदे के साथ जिसमें उनसे सीखने के साथ-साथ उस सीखने का भुगतान भी मिला। मृणाल के मुताबिक हर सीन में एक सीखने की प्रक्रिया थी। कॉमेडी शैली में वह और उनके को-स्टार अभिमन्यु दसानी दोनों ही नए थे। मृणाल ने आगे कहा, हम हमेशा लाइनों पर कायम रहेंगे। परेश रावल जी ने हमें सिखाया कि आपको लाइनें रटने की जरूरत नहीं है। आपको सिर्फ प्रवाह में बोलना है। अगर आप एलर्ट नहीं रहेंगे तो कोई और इसे ले जाएगा। मृणाल का कहना है कि वह आगे और कॉमेडी फिल्में करने के लिए उत्साहित हैं, खासकर आंख मिचोली के निर्देशक से तारीफ पाने के बाद वह आगे भी कॉमेडी फिल्में करने की इच्छुक हैं।

गिरफ्तार हुई उर्फी जावेद

बॉलीवुड | मसाला

उर्फी जावेद हर दिन अपने नए लुक्स की वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनके बेबाक बोल्ड लुक्स ने लोगों के हमेशा ही होश उड़ाए हैं। वहीं, कई लोग उर्फी पर बुरी तरह से भड़क भी पड़ते हैं। कई बार उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। इसी बीच अब लगता है कि उर्फी फिर से मुश्किलों में फंस गई हैं। दरअसल, उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें पुलिस हिरासत में लेते हुए देखा जा रहा है।

शुक्रवार की सुबह एक वीडियो अचानक सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। इसमें देखा जा रहा है कि उर्फी एक कैफे से बाहर आ रही हैं। जहां 2 महिला पुलिसकर्मी उन्हें हिरासत में ले रही हैं।

वीडियो में महिला पुलिसकर्मी उर्फी से कह रही हैं कि इतने छोटे-छोटे कपड़े पहनकर घूम रही हो। इस पर उर्फी कहती है, मेरी मर्जी। इसके बाद पुलिसकर्मी अपने साथ पुलिस स्टेशन चलने के लिए कहती है और हिरासत में लेती है। गौरतलब है कि उर्फी को इस वीडियो में स्ट्रेट डेनिम जीन्स और बैकलेस रेड क्रॉप टॉप पहने हुए देखा जा रहा है। अपने इस लुक को उन्होंने मिनिमल मेकअप से कंप्लीट किया है और बालों का बन बनाकर बांधा हुआ है। वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर उन्होंने कानों में गोल्ड के ईयररिंग्स और मल्टी कलर स्टोन्स वाला हेयरबैंड कैरी किया है।

अब उर्फी का ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा है। कई यूजर्स ने उर्फी की तरफदारी करते हुए इसे बिल्कुल गलत बताया है। वहीं, कुछ लोगों ने इसे पब्लिसिटी स्टंट भी बताया है। एक यूजर ने लिखा, छोटे कपड़े पहनने वालों को जेल मिलती है और इज्जत लूटने वालों को बेल। दूसरे यूजर ने लिखा, ये असली पुलिस कम और रोहित शेट्टी की पुलिस ज्यादा लग रही है। एक और यूजर ने लिखा, बॉलीवुड में तो सभी ऐसे ही कपड़े पहनते हैं। इसी तरह के कई कमेंट्स कर लोगों ने उर्फी की तरफदारी की है।

अजब-गजब | ये चिड़िया या तो उत्तराखंड में या साउथ अफ्रीका में पायी जाता है

ये चिड़ियां सिर्फ बारिश का ही पानी पीती है, नदी-झील में नहीं मारती चोंच

दुनिया में हर जीव-जंतु को जिंदा रहने के लिए पानी की जरुरत पड़ती है। खाना और पानी दो ऐसी जरूरतें हैं जो इंसान के अलावा जानवरों के लिए भी बेहद जरुरी है। जब प्यास लगती है तो इंसान किसी भी जगह का पानी पी लेता है। तब वो ये नहीं सोचता कि उसे कुएं का पानी मिला है या नल का। लेकिन आपको बता दें कि दुनिया में एक ऐसा पक्षी है जिसे सिर्फ और सिर्फ बारिश का ही पानी पीने की आदत है। वो इसके अलावा किसी भी जगह का पानी नहीं पीता।

जिस पक्षी के बारे में हम बात कर रहे हैं, वो अगर बेहद प्यासा है और आपने उसे कटोरे में भरकर पानी दे दिया, वो तब भी उसे नहीं पियेगा। वो प्यास से अपनी जान दे देना पसंद करेगा लेकिन पानी में अपनी चोंच डुबाएगा भी नहीं। ऐसा नहीं है कि ये पक्षी इंसानों द्वारा ऑफर पानी को ही मना करता है, अगर इसे प्यास लगी है और इसके सामने एक झील भी नजर आ जाए, ये तब भी पानी नहीं पियेगा। अपनी प्यास बुझाने के लिए ये सिर्फ बारिश के पानी का ही इस्तेमाल करता है। अब चूंकि ये चिड़ियां सिर्फ बारिश का पानी पीती है तो आप सोच रहे होंगे कि जब-जब बारिश होती है इसे पानी मिल जाता होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। बारिश में भी ये चिड़ियां सिर्फ स्वाति नक्षत्र के बारिश का ही पानी पीती है। चातक पक्षी भारत के उत्तराखंड में पाया जाता है। इसके अलावा ये साउथ अफ्रीका में देखा गया है। इसे भारत में कई नाम से जाना जाता है। कुछ इसे मघवा कहते हैं तो कुछ पपिया।

सीलिंग फैन की पंखियां बाईं ओर जबकि टेबल फैन की दाईं ओर क्यों घूमती हैं

घरों में लगे सीलिंग फैन को घूमते हुए तो आपने कभी न कभी देखा ही होगा। कई लोगों के घरों में तो सीलिंग फैन के साथ-साथ टेबल फैन भी होते हैं। दोनों का काम एक ही है, हवा देना। पर क्या आपने उनमें एक बात गौर की हैज्वो ये कि छत पर लगे सीलिंग फैन घड़ी की उल्टी दिशा में घूमते हैं जबकि टेबल फैन घड़ी की ही दिशा में घूमते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों है? चलिए आपको इसके पीछे का विज्ञान समझाते हैं। आज हम बात कर रहे हैं सीलिंग फैन और टेबल फैन के बारे में। दोनों की पंखियां अलग दिशा में घूमती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने इससे जुड़ा सवाल किया है। शख्स ने पूछा-सीलिंग फैन की पंखुड़ियां बायीं ओर जबकि टेबल फैन की दायीं ओर क्यों घूमती हैं? चलिए आपको बताते हैं कि लोगों ने क्या जवाब दिया। सुरेश रावल नाम के व्यक्ति ने कहा-सीलिंग फैन की ब्लेड्स मोटर से जुड़ी हुई होती हैं इसलिए एंटी क्लॉक वाइज घूमती हैं मतलब यह कि सीलिंग फैन में घूमने वाला भाग मोटर होता है और आर्मेचर स्थिर होता है, वहीं इसके उल्ट टेबल फैन की ब्लेड्स आर्मेचर से जुड़ी हुई होती हैं जो कि घूमने वाला भाग होता है जबकि मोटर स्थिर होती हैं इसलिये क्लॉक वाइज घूमती हैं। बस यही अंतर है और इसी कारण इनकी ब्लेड्स घूमने में एक दूसरे के विपरीत घूमती हैं। पर नियम दोनों में एक ही हैं जो कि फ्लेमिंग्स का वाम हस्त नियम के अनुसार हैं। वेबसाइट ब्रेनली के हिसाब से पंखा, एक मोटर की उपस्थिति के कारण काम करता है जिसकी वजह से रोटेशनल मोशन होता है। पंखे की मोटर में एक स्थिर भाग और एक गतिशील भाग होता है जो एक अक्ष पर घूमने में सक्षम होता है। सीलिंग पंखे में आर्मेचर स्थिर होता है और ब्लेड गतिशील भाग होते हैं। जब मोटर चालू होती है, तो सीलिंग फैन के ब्लेड एंटी क्लॉक वाइज दिशा में घूमते हैं। टेबल फैन अलग है। यहां आर्मेचर चलने वाले ब्लेड हैं और मोटर स्थिर है, इसलिए जब मोटर चालू होती है, तो आर्मेचर ब्लेड की गति के साथ चलता है। स्थिर मोटर ब्लेड को विपरीत दिशा में चलाती है। तो टेबल फैन या आर्मेचर के ब्लेड क्लॉक वाइज दिशा में घूमते हैं।

माहौल खराब करते हैं पीएम मोदी व शाह : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी-शाह छत्तीसगढ़ आते हैं माहौल को खराब करने के लिए, हमारी सरकार की बदनामी करते हैं। खरगे ने कहा कि पिछले चुनाव में सोनिया और राहुल ने जो वादा किया था उसे भूपेश से पूरा करवाया। कर्जा माफी, पुरानी पेंशन,स्वामी आत्मानंद स्कूल,बिजली बिल हॉफ,समर्थन मूल्य में धान खरीदी।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में शहर के हरिहर हायर सेकेण्डरी स्कूल मैदान में अभनपुर, राजिम,कुरूद और आरंग विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस को वोट देकर ज्यादा से ज्यादा सीटे जिताएं।

बोले- छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार बढ़िया काम कर रही

खरगे ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार बढ़िया काम कर रही है। आप कह रहे है कि भूपेश बघेल आगे बढ़ो हम तुम्हारे साथ है तो ये मुझे बहुत ही अच्छा लगा। खरगे ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि वे जहां जाते हैं कांग्रेस को सुबह से शाम तक गाली देने का काम करते हैं। बार-बार झूठ बोलते हैं, झूठ के सौदागर हैं, झूठ बोलने के लिए शायद कसम खाए हुए हैं। सोनिया और राहुल का नाम लेते हुए खरगे ने कहा कि वे त्याग के प्रतिमूर्ति हैं। सोनिया चाहतीं तो प्रधानमंत्री बन सकती थीं परंतु उन्होंने मनमोहन सिंह को बनाया। राहुल गांधी भी कोई पद नहीं लिए। खरगे ने कहा कि भूपेश बघेल पिछड़े वर्ग से आते हैं फिर उनके पीछे मोदी क्यों पड़े हुए हैं जब अपने आपको भी पिछड़े वर्ग का बोलते हैं तो। कहते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया? कांग्रेस ने बहुत किया जिस स्कूल में मोदी और शाह पड़े हैं उस स्कूल को तो कांग्रेस ने ही बनाया।

हमने सभी वादे पूरे किए

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि हमें जो करना है उसका भी वादा हमने कर दिया है सरकार आने पर वह भी पूरा होगा। महंगाई का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे जनता परेशान है, 500 रूपए गैस सिलेंडर में सब्सीडी देंगे। खरगे ने कहा कि देश में जहां-जहां कांग्रेस की सरकार है उसे सता रहे है। ईडी,आइटी को भेजकर परेशान कर रहे हैं परंतु छत्तीसगढ़ के लोग डरने वाले नही हैं। कांग्रेस का 100 साल से ऊपर का इतिहास है। अंग्रेजो से लड़कर देश को आजाद कराया। इस देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाया और मोदी बगैर मेहनत के हुकुमत कर रहे हैं। उन्होंने कहा था विदेश से काला धन वापस लाऊंगा हर किसी के खाते में 15 लाख डालूंगा, दो करोड़ लोगों को नौकरी दूंगा पर किया कुछ नहीं।

छत्तीसगढ़ कह रहा बीजेपी आवत है : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे हैं, इस दौरान उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा, पूरा प्रदेश कह रहा है कि बीजेपी आवत है, पीएम मोदी ने राज्य के सीएम भूपेश बघेल पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा, दो दिन पहले रायपुर में जो पैसा मिला है वो सट्टेबाजों का है, मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि उनके दुबई वालों से क्या संबंध हैं। लूट के पैसे से कांग्रेस के नेता अपने घर भर रहे हैं? मुख्यमंत्री बौखाला गये हैं और मैदान में उतर गये हैं, इन पैसों के तार उन तक जा रहे हैं, कांग्रेस की प्राथमिकता ही भष्ट्राचार से तिजोरी भरना है।

पीएम को विकास नहीं दिखता : भूपेश बघेल

सीएम भूपेश बघेल ने भगवान राजीव लोचन, कुलेश्वर नाथ महादेव के जयकारे के साथ भाषण की शुरूआत करते हुए कहा कि किसके हाथ में सत्ता की चाबी देंगे ये 17 तारीख को तय करना है। हमने सारे वादे पूरे किए परंतु मोदी के बातो में कोई भरोसा नही है। मोदी कहते है कि कांग्रेस का विकास से छत्तीस का आकड़ा है। मै कहना चाहूंगा कि छत्तीसगढ़ में जो विकास हुआ है क्या उन्हें दिखता नही,उन्हे तो अडानी का विकास दिखता है। किसानों का हम कर्ज माफी करते है तो रमन के पेट में दर्द होता है। हम 35 किलो चावल दे रहे हैं आगे भी देते रहेंगे परंतु भाजपा का कोइ भरोसा नहीं वे इसे सात किलो कर सकते हैं। सीएम ने कहा कि अब तो 200 युनिट तक बिजली का बिल माफ होगा। इससे 42 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। कक्षा एक से लेकर स्नातकोत्तर तक कोई फीस देनी नहीं पड़ेगी। प्रवेश शुल्क भी नहीं। छत्तीसगढ़ में साढ़े 17 लाख परिवारों को आवास बनाकर देंगे। सीएम ने कहा कि भाजपा का काम राम नाम जपना और पराया माल अपना वाले हैं।

नशेबाज की पहुंच सीएम तक, जांच हो : संजय राउत

» एल्विश यादव मामले में अब उद्धव गुट ने महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एल्विश मामले में शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) सांसद संजय राउत ने बीजेपी व शिंदे सरकार को आड़े हाथों लिया है। उनका कहना है, इस देश का सबसे बड़ा ड्रग माफिया जो सांप का जहर बेचता है, जिसका इस्तेमाल रेव पार्टियों में किया जाता है...वह (एल्विश यादव) सीएम आवास पर आया था, उनका स्वागत किया गया और भगवान गणपति की आरती की गई, क्या महाराष्ट्र में हो रहे नशे के कारोबार के तार (राज्य) सरकार से जुड़े हैं? क्या सीएम के पास इस बात की खुफिया जानकारी नहीं है कि आपके आवास पर कौन आता है? .देश जानना चाहता है क्योंकि यह ड्रग मामला देश से जुड़ा है। उधर बिग बॉस ओटीटी सीजन-2 के विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ पुलिस ने गैर कानूनी तरीके से रेव पार्टी आयोजित करने और उसमें सांप के जहर के कथित इस्तेमाल को लेकर मामला दर्ज किया है। मामले में पांच अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है लेकिन एल्विश फरार है।

वरिष्ठ पत्रकार राणा यशवंत ने लगाई पुलिस से बचाने की गुहार

गृहमंत्रालय को लिखा पत्र फर्जी मुकदमें में फंसा रही दिल्ली पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार व पत्रकारों के सुख-दुख को आमजन तक पहुंचाने वाले भड़ास फॉर मीडिया के कर्ताधर्ता व संपादक यशवंत सिंह ने गृहमंत्री को पत्र लिखकर दिल्ली पुलिस से बचाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर 2023 को एक फ़र्जी मुक़दमे की जांच में शामिल होने के लिए वह दिल्ली के भारत नगर थाने पहुंचे जहां एसीपी संजीव कुमार और इंस्पेक्टर सूरज पाल ने पूछताछ की और धमकाते हुए कई काग़ज़ों पर साइन कराया।

बाद में आईफोन जिसमें एयरटेल सिम 9999330099 था, को जांच के नाम पर जब्त कर लिया, लेकिन फोन जब्ती का कोई भी कागज, न ही रसीद दिया। मुझे आशंका है कि मेरे फोन का दुरुपयोग किया जा सकता है। मैं ये सब इसलिए आपके संज्ञान में ला रहा हूं क्योंकि पूछताछ करने वाले अधिकारी एसीपी संजीव कुमार और इंस्पेक्टर सूरजपाल का रवैया काफी उग्र और मारपीट की धमकियों वाला था। बिना जांच कंप्लीट हुए किसी को अपराधी मानकर ट्रीट करना बेहद शर्मनाक है।

पूरी तरह से पुलिस को कर रहा हूं मदद

मैंने इससे पहले वाली मेल में जांच में सहयोग करने हेतु थाने पहुंचने और अभी तक एफआईआर की कापी न मिलने का जिक्र किया है। मैं बताना चाहूंगा कि एससी एसटी एक्ट का फ़र्जी मुक़दमा मेरे पर किया गया है। जिसने ये एफ़आईआर लिखाया है, उससे आज तक मिला नहीं हूँ। इसी से समझा जा सकता है कि किस लेवल का फ़र्ज़ी केस है। अभी भी मुझे एफआईआर की कापी नहीं दी गई है। फोन भी छीन लिया गया जिसके जरिए फर्जी साक्ष्य गढ़े जाने की आशंका है।

सफेदपोश लोगों के खिलाफ लिखने की सजा

इसके पहले आईजीआई एयरपोर्ट पर मेरे खिलाफ फर्जी मुकदमा लिखाया गया। ये सब खबरें लिखने के कारण और सच उजागर करने के चलते कुछ सफेदपोश लोगों द्वारा सिस्टम का दुरुपयोग करके कराया जा रहा है। इस मामले की जाँच के लिए दिल्ली पुलिस सीपी संजय अरोड़ा को मेल कर चुका हूँ लेकिन अभी तक कुछ हुआ नहीं। आपसे न्याय की उम्मीद करता हूँ। कृपया त्वरित कार्रवाई करते हुए समुचित निर्देश देने की कृपा करें।

विश्कप से बाहर हो गए हार्दिक पांड्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या वर्ल्डकप से बाहर हो गए हैं। हार्दिक पांड्या ने चोट लगने के कारण बीते कुछ मैचों में नहीं खेला था। वह भी थी कुछ मैचों में प्लेइंग इलेवन से बाहर चल रहे थे। भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की जगह अब प्रसिद्ध कृष्ण को शामिल किया गया है। भारत में खेले जा रहे हैं आईसीसी क्रिकेट वर्ल्डकप 2023 के बीच भारतीय टीम को एक बड़ा झटका लगा है।

प्रसिद्ध कृष्ण को टीम में किया गया शामिल

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। हार्दिक पांड्या ने चोट लगने के कारण बीते कुछ माचो में नहीं खेला था। वह भी थी कुछ मैचों में प्लेइंग इलेवन से बाहर चल रहे थे। भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की जगह अब प्रसिद्ध कृष्ण को शामिल किया गया है।

भारतीय टीम को लगा बड़ा झटका

सेमीफाइनल मुकाबले से ठीक पहले भारतीय टीम से हार्दिक पांड्या का बाहर होना एक बड़ा झटका है। हार्दिक पांड्या बेहतरीन फोन में थे और बड़े मुकाबले में प्रदर्शन करना हार्दिक के लिए आसान रहा है। बताने की हार्दिक पांड्या बांग्लादेश और भारत के बीच खेले के मुकाबले के दौरान पुणे में गेंदबाजी करते हुए चोटिल हो गए थे। हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के बाद माना जा रहा था कि वो सेमीफाइनल या फाइनल मुकाबले से पहले फिट हो जाएंगे मगर भारतीय टीम के फैंस की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। अब 5 नवंबर को साउथ अफ्रीका और 12 नवंबर को नीदरलैंड्स के साथ भारतीय टीम का मैच होगा। इसके बाद सेमीफाइनल मुकाबला होगा जिसमें हार्दिक नदारद होंगे। इस मैच में उनकी लेफ्ट एंगल में चोट लगी थी जिसके बाद वह न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाफ के खेले गए मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सके थे।

पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर भारत

विश्व कप में भारतीय टीम की स्थिति की बात करें तो फिलहाल टीम पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। रोहित ब्रिगेड ने अब तक कुल 7 मैच खेले हैं जिनमें हर मुकाबले में उसे जीत मिली है। खिलाड़ियों और टीम की शानदार प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है लेकिन इस मुकाबले में अब हार्दिक पांड्या नहीं खेलेंगे जो टीम के लिए एक बड़ा झटका है।

योगी पुलिस का इकबाल खत्म!

किशोरी की मौत को लेकर लखीमपुर में बवाल, भीड़ ने पुलिस पर किया पथराव, दुकानों में तोड़फोड़, आगजनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। यूपी में बालिकाओं व महिलाओं के साथ अभद्रता रुकने का नाम नहीं ले रही है। ऐसा लगता हे कि प्रदेश में योगी पुलिस का डर खत्म हो गया है। तभी तो पिछले दिनों वाराणसी के बीएचयू में छात्रा के साथ कुकृत्य करने का मामला शांत भी नहीं हुआ कि लखीमपुर खीरी के संपूर्णानगर में आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने से आहत किशोरी की आत्महत्या की खबर के के बाद जिले माहौल गरमा गया है।

भीड़ ने आरोपी की दुकान में तोड़फोड़ कर दी। दुकान से सामान निकालकर जला दिया। पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद भड़की भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। कस्बे की दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई। घटना से कस्बे में तनाव के हालात बन गए हैं। पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है।

परिजनों ने शव रखकर किया प्रदर्शन

लखीमपुर खीरी के संपूर्णानगर में आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने से आहत किशोरी की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। परिजनों ने ग्रामीणों को साथ लेकर शनिवार सुबह सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया।

दो दिन पहले मिला था घर में लटका शव

बृहस्पतिवार की शाम संपूर्णानगर निवासी 17 वर्षीय किशोरी का शव घर में लटका मिला था। किशोरी आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने से आहत थी। मामले में मृतका की मां ने दूसरे समुदाय के युवक पर किशोरी का आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने, धर्म परिवर्तन व आत्महत्या के लिए प्रेरित करने आदि धाराओं में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने किशोरी का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था।

रात से ही जुटने लगी थी भीड़

किशोरी का शव शनिवार रात करीब 10.30 बजे घर लाया गया। इसकी सूचना पर बजरंग दल और भीम आर्मी के कार्यकर्ता हजारा थाने की तरफ से जुटने लगी। रात 11.30 बजे थाना गेट पर एसओ से वार्ता कर फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। गिरफ्तारी न होने पर शव का संस्कार न करने की बात कही। इस पर थाना प्रभारी सियाराम वर्मा, गौरीफंटा एसओ अनिल कुमार सैनी ने लोगों को समझाते हुए कहा कि मुख्य आरोपी को पकड़ा जा चुका है। अन्य की गिरफ्तारी को लेकर टीम गठित की गई है। रातभर मामला शांत रहा। शनिवार सुबह फिर गुस्साई भीड़ ने शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। लोगों का कहना था कि एफआईआर में नामजद फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। आरोपी की दुकान और घर पर बुलडोजर चलाया जाए। दो युवक आरोपी युवक की दुकान में पीछे से तोड़फोड़ करने लगे। पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। इस पर कई लोग उन युवकों को छुड़ाने के लिए पुलिस से भिड़ गए। गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर पथराबाजी शुरू कर दी।

दिल्ली सरकार ने बढ़ते वायु प्रदूषण के मद्देनजर सीएम योगी से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर में पहुंचने के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सीमावर्ती राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय राजधानी में बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहनों की सेवाओं को रोकने की अपील की। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आनंद विहार का एयर क्वालिटी इंडेक्स खतरनाककैटेगरी में पहुंचने के बाद आनंद विहार बस डिपो का जायजा लिया।

» बीएस 3 और बीएस 4 वाहनों को दिल्ली न भेजने की मांग

उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा,दिल्ली में, केवल इलेक्ट्रिक बसें और सीएनजी बसें हैं, लेकिन यूपी से प्रतिबंधित बीएस 3 और बीएस 4 वाहनों को आनंद विहार बस डिपो में भेजा जा रहा है. मेरा उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध है कि वे ऐसे वाहनों को भेजना बंद करें जो इतना धुआं छोड़ते है. हमने फिलहाल दिल्ली में सभी निर्माण रोक दिए हैं, और बीएस 3 और बीएस 4 वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन ये वाहन बाहर से आ रहे हैं, मैं योगी से इसे रोकने का अनुरोध करता हूं ताकि हम वाहन के कारण होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित कर सकें।

फोटो : 4पीएम

रोष लविवि में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने पुतला फूंका।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में फार्मा फैक्ट्री में भीषण धमाका, अब तक छह शव मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां के महाड एमआईडीसी में एक दवा निर्माता कंपनी में भीषण विस्फोट हुआ। पहले बताया जा रहा था कि हादसे में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई।

हालांकि, अब मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। धमाके में अबतक छह लोगों के मरने की जानकारी सामने आई है। इन लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि एनडीआरएफ की टीम सबसे अंत में वहां पहुंची। फिलहाल बचाव अभियान जारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, घटना के समय कंपनी में मौजूद 11 लोगों का कुछ पता नहीं चला है।

मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को हाईकोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को 2022 के विधानसभा चुनाव में दिए गए विवादित बयान के मामले में अंतरिम राहत दी है। यह राहत 30 नवंबर तक जारी रहेगी। उमर अंसारी, अब्बास अंसारी और मंसूर अंसारी समेत कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

अधिवक्ता गोपाल ने अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई की थी और उसे मंजूरी मिली है। कोर्ट ने कहा है कि उनकी अंतरिम राहत 30 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक जारी रहेगी। कोर्ट ने कहा है कि याची को तब तक के लिए निजी मुचलके और दो प्रतिभूतियों पर रिहा किया जाता है। हालांकि, कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाई हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने अधिवक्ता उमर अंसारी की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया है। बता दें कि दो साल से उमर अदालत में पेश नहीं हो रहे थे।

इसके पहले याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल स्वरूप चतुर्वेदी ने बताया गया कि याची के खिलाफ विधान सभा चुनाव के दौरान हुई चुनावी सभा में दिए गए बयान के आधार पर मऊ जिले के कोतवाली थाने में तीन मार्च 2022 को प्राथमिकी दर्ज हुई थी। याची और उसके बड़े भाई अब्बास अंसारी, मंसूर अंसारी सहित कई लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 506, 171-एफ, 186,189, 153-ए, 120-बी के तहत आरोप लगाए गए थे। याची ने इस मामले में पहले अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल की थी, जिसे अदालत ने नॉट प्रेस की वजह से खारिज कर दिया था।

अपना दल के स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल बोलीं

मोदी सरकार ही पूरे देश में जातिवार गणना कराएगी

» बोलीं- अखिलेश कभी यादव के अलावा किसी ओबीसी को नहीं बनाएंगे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय वाणिज्य उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ही पूरे देश में जातिवार गणना कराएगी। वहीं ओबीसी क्रीमीलेयर का दायरा भी बढ़ाएगी।

पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में अनुप्रिया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग मंत्रालय बनाने की हमारी मांग भी पूरी होगी ऐसा मुझे भरोसा है। वहीं उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश का अपना दल से प्रेम नया-नया है। सोनेलाल पटेल के जीवित रहते उनकी पार्टी ने कभी उनका सम्मान नहीं किया। वर्ष 2002 में अपना दल के तीन विधायकों को सपा ने तोड़ा था।

सपा ने चुनावी लाभ के लिए यह शिगुफा छोड़ा

पल्लवी पटेल का बिना नाम लिए अनुप्रिया ने कहा कि कि उन्हें अखिलेश ने सपा के सिंबल पर चुनाव लड़ाया। उन्होंने कहा कि अगर कभी सपा की सरकार बनती है तो क्या अखिलेश कभी यादव के अलावा अन्य किसी ओबीसी को मुख्यमंत्री बनाएंगे। सत्ता में रहते सपा ने कभी जातिवार गणना नहीं कराई, सिर्फ चुनावी लाभ के लिए यह शिगूफा छोड़ा जा रहा है। अनुप्रिया ने कहा कि अपना दल (एस) को एनडीए में पूरा सम्मान मिला और हम भी उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह खरे उतरे हैं।

फोटो : सुमित कुमार

धरना आम आदमी पार्टी की महिला विंग ने सांसद संजय सिंह की रिहाई व बढ़ती मंहगाई को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।